प्रभात सुपर सक्सेस

मूल्य : ₹ 40/-

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा

बाल विकास एवं शिक्षण शास्त्र

कक्षा I-V, VI-VIII

पूर्णतः बदले हुए पाठ्यक्रम के अनुरूप

महत्वपूर्ण परिभाषाएं

- **क्रो** एवं **क्रो** के अनुसार–"**सीखना या अधिगम** आदतों, **ज्ञान और अभिवृत्तियों** का अर्जन है।"
- **क्रॉनवेक** के अनुसार–"सीखना या अधिगम अनुभव के परिणामस्वरूप **व्यवहार में परिवर्तन** द्वारा व्यक्त होता है।"
- **जॉन ड्यूवी**–शिक्षा व्यक्ति की उन सभी भीतरी शक्तियों का विकास है जिससे वह अपने वातावरण पर नियंत्रण रखकर अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह कर सके।
- **हर्बट स्पैन्सर**–शिक्षा का अर्थ **अन्तःशक्तियों का बाह्य** जीवन से समन्वय स्थापित करना है।
- **पेस्तालॉजी**–शिक्षा मानव की सम्पूर्ण शक्तियों का प्राकृतिक, प्रगतिशील और सामंजस्यपूर्ण विकास है।
- **मन** के अनुसार–"व्यक्तित्व एवं व्यक्ति के गठन, व्यवहार के तरीकों, रूचियों, दृष्टिकोणों, क्षमताओं और तरीकों का सबसे विशिष्ट संगठन है।"
- **बिग** व **हण्ट** के अनुसार–"व्यक्तित्व एक **व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यवहार-प्रतिमान** और इसकी विशेषताओं के योग का उल्लेख करता है।"
- **बर्टन** के अनुसार–"श्रव्य-दृश्य सामग्री, वह संवेदीय पदार्थ या काल्पनिक वस्तुएं हैं जो **अधिगम को प्रारंभ एवं प्रेरित** करती हैं तथा उसे पुनर्बलन प्रदान करती हैं।"
- **स्टोडार्ड** के अनुसार, "बुद्धि उन क्रियाओं को समझने की क्षमता है जो **जटिल, कठिन, अमूर्त, मितव्यय,** किसी लक्ष्य के प्रति **अनुकूलनशील, सामाजिक** व **मौलिक** हो तथा कुछ परिस्थिति में वैसी क्रियाओं को करना जो शक्ति की एकाग्रता तथा सांवेगिक कारकों का प्रतिरोध दिखाता हो।"
- **राबिन्सन** तथा **राबिन्सन**, ने भी बुद्धि को **संज्ञानात्मक व्यवहारों** का संपूर्ण माना है जो व्यक्ति में सूझ द्वारा समस्या समाधान करने की क्षमता, नई परिस्थितियों के साथ **समायोजन करने की क्षमता, अमूर्त रूप से सोचने की क्षमता** तथा **अनुभवों से लाभ उठाने** की क्षमता को परिलक्षित करता है।
- **बोरिंग** के अनुसार–"बुद्धि वही है, जो बुद्धि परीक्षण मापता है।
- **मन** के अनुसार–"व्यक्तित्व एवं व्यक्ति के गठन, **व्यवहार के तरीकों, रुचियों, दृष्टिकोणों, क्षमताओं** और तरीकों का सबसे विशिष्ट संगठन है।"
- **बिग व हण्ट** के अनुसार–"व्यक्तित्व एक व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यवहार-प्रतिमान और इसकी विशेषताओं के योग का उल्लेख करता है।"
- **यंग (1943)** के अनुसार–"संवेग **व्यक्ति की एक तीव्र उपद्रव** की अवस्था है, जिसका प्रभाव उस पर सम्पूर्ण रूप से पड़ता है, जो मनोवैज्ञानिक ढंग से उत्पन्न होती है और जिनमें **चेतन अनुभव, व्यवहार एवं अन्तरायव** सम्बन्धी कार्य सन्निहित होते हैं।"
- **मैक्डूगल**–'अवधान केवल उस **इच्छा** या **चेष्ठा** को कहते हैं जिसका प्रभाव हमारी **ज्ञान प्रक्रिया** पर पड़ता है।"
- **जेम्स**–"स्मृति चेतना से अलग हो जाने के बाद मन की अतीत दशा का ज्ञान है अथवा यह एक घटना या तथ्य का ज्ञान है, जिसके बारे में हमने कुछ समय तक कुछ नहीं सोचा है पर साथ ही हमें यह चेतना है कि हम पहले उसका विचार या अनुभव कर चुके हैं।"
- **वुडवर्थ**–"प्रेरक व्यक्ति की वह दशा है जो उसे निश्चित व्यवहार करने के लिये और निश्चित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये उत्तेजित करता है।"
- **किर्क** के अनुसार–"विशिष्ट बालक वह है जो **सामान्य** तथा **औसत बालक** से **शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक** विशेषताओं में इतना अधिक भिन्न है कि वह विद्यालय व्यवस्थाओं में संशोधन अथवा विशेष सेवाएं अथवा पूरक शिक्षण चाहता है जिससे वह अपनी अधिकतम क्षमता का विकास कर सके।
- **विल्सन, गिलफोर्ड एवं क्रिस्टेनसैन**–सृजनात्मक-प्रक्रिया एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा कोई नवीन (कोई नई वस्तु, विचार या पुराने तत्वों का कोई नवीन संगठन या रूप) उत्पत्ति हो। यह नवीन उत्पत्ति किसी समस्या के समाधान में सहयोगी होनी चाहिए।
- **स्किनर**–"सृजनात्मक चिंतन का अर्थ है कि व्यक्ति की **भविष्यवाणियाँ या निष्कर्ष नवीन, मौलिक, अन्वेषणात्मक तथा असाधारण** हो। सृजनात्मक चिंतक वह है जो नए क्षेत्र की खोज करता है नए निरीक्षण करता है, नई भविष्यवाणियाँ करता है और नए निष्कर्ष निकालता है।"
- **चाइल्ड** के अनुसार–"सामाजिक विकास वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति में उसके **समूह मानकों के अनुसार वास्तविक व्यवहार** का विकास होता है।"
- **एस.एस. स्टीवेन्स** के अनुसार–मापन किन्हीं **निश्चित स्वीकृत नियमों** के अनुसार वस्तुओं को अंक प्रदान करने की प्रक्रिया है।

प्रभात

UPTET

UTTAR PRADESH TEACHER ELIGIBILITY TEST

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा

पेपर-I ✦ कक्षा I-V

वर्ष 2017 एवं 2018 के हल प्रश्न-पत्र सहित

❖ बाल विकास एवं शिक्षण शास्त्र ❖ हिंदी भाषा
❖ अंग्रेजी भाषा ❖ गणित ❖ पर्यावरण अध्ययन

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक

ईवान पावलोव

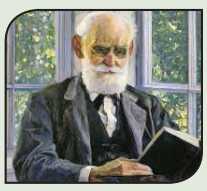

- रूसी शरीर शास्त्री पावलोव ने कुत्ते पर प्रयोग कर 'शास्त्रीय अनुबन्ध का सिद्धान्त' (Classical Conditioning Theory) प्रतिपादित की।

मासलो

- इनके अनुसार प्रेरक दो प्रकार के होते हैं–
  1. **जन्मजात प्रेरक**–(जैविक या शारीरिक प्रेरक) भूख, प्यास, निद्रा, काम आदि। इन्हें प्राथमिक प्रेरक भी कहते हैं।
  2. **अर्जित प्रेरक**–ये अर्जित किए जाते हैं जैसे–व्यक्तिगत रुचि आदत की विवशता, जीवन का लक्ष्य, सामूहिकता की भावना आदि।

जॉन ड्यूवी

- जॉन ड्यूवी करके **सीखने के सिद्धान्त** के पक्षधर थे।
- जॉन ड्यूवी प्रयोजनावाद के समर्थक थे।

सिंग्मेड फ्रायड

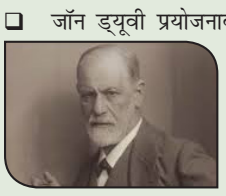

- मानव व्यवहार की मूल प्रेरणा काम है। काम या लिनिडो शक्तियों का वह भण्डार है जो सदैव सुखों की खोज करता है।
- एक व्यक्ति का व्यक्तित्व तीन कारक इड, ईगो तथा सुपर ईगो से बनता है।

वुण्ट

- जर्मनी के **मनोवैज्ञानिक वुण्ट ने 1879** में लिपजिंग में प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला की स्थापना की।
  1. मनोविज्ञान को 'चेतना के विज्ञान' के रूप में परिभाषित किया।
  2. वुण्ट को प्रयोगात्मक मनोविज्ञान का जनक कहा जाता है।

हरमन रोशा

- स्विस मनोचिकित्सक **हरमन रोशा** ने स्याही के धब्बों वाला परीक्षण का निर्माण किया।
- परीक्षार्थी को बस स्याही के धब्बों पर प्रतिक्रिया करनी होती है।
- **10 कार्डों** में **पाँच काले, दो लाल** व **काले** तथा तीन विभिन्न रंगों के होते हैं।

कोहलर

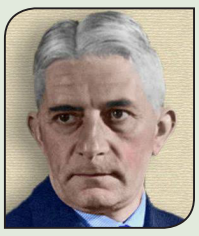

- जर्मनी के माक्स वर्दिमियर, कोफ्का और कोहलर ने 'सूक्ष्म या अन्तरदृष्टि का सिद्धान्त' प्रतिपादित किया।
- गेस्टाल्ट शब्द जर्मन है जिसका अर्थ है–समग्र आकृति।
- इस सिद्धान्त के अन्तर्गत सुल्तान नामक चिम्पैंजी पर प्रयोग किए गए।

टरमन

- बुद्धिलब्धि के सम्बन्ध में सर्वप्रथम टरमन ने विचार किया। उन्होंने बुद्धिलब्धि के सम्बन्ध में निम्नलिखित सूत्र दिया–

$$\text{बुद्धिलब्धि} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$$

फ्रोवेल

- जर्मन शिक्षाशास्त्री फ्रोवेल **किंडर गार्टन शिक्षा प्रणाली** को प्रारम्भ करने वाले के रूप में जाने जाते हैं।
- इन्होंने खेल द्वारा शिक्षा एवं स्वतः क्रिया द्वारा शिक्षा के सिद्धान्त पर बल दिया।

बी.एफ. स्किनर

- शिक्षा मनोविज्ञान को शिक्षक निर्माण की आधारशिला माना है।
- स्किनर ने चूहा व कबूतर पर प्रयोग कर क्रिया **प्रसूत अनुबंधन** का सिद्धान्त दिया।

अल्फ्रेड बिने

- **बुद्धि मापन** का कार्य **सर्वप्रथम बिने** द्वारा प्रारम्भ किया गया।
- बिने ने सर्वप्रथम 1905 में प्रथम **बुद्धि परीक्षण** तैयार किया।
- बिने तथा साइमन ने मनोवैज्ञानिक साहित्य में **'मानसिक आयु'** शब्द का पहली बार प्रयोग किया।
- इन्हें **बुद्धिलब्धि** के विचार का **जनक** कहा जाता है।